बी.पी.वाई-006 तत्वमीमांसा

टिप्पणी: i) सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

1. ज्ञान को परिभाषित करें। ज्ञान का औचित्य और प्रमाण क्या है? 20

अथवा

तत्वमीमांसा को परिभाषित कीजिए और इसके विषय क्षेत्र की व्याख्या कीजिए। 20

2. हम स्वतंत्रता के अस्तित्व को सिद्ध कैसे कर सकते हैं? स्वतंत्र-संकल्प की समस्या की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

व्यक्तित्वकरण में गुणवत्ता की क्या भूमिका और महत्व है? स्वतंत्र इच्छा की समस्या की व्याख्या की व्याख्या कीजिए। 20

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं प्रत्येक दो प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में करें।

क) मानव व्यक्ति के मनोवैज्ञानिक आयाम का वर्णन करें। 10

ख) संश्लेषण से आप क्या समझते हैं? यह पद्धति तत्वमीमांसा में किस प्रकार प्रयुक्त होती है, व्याख्या करें। 10

ग) आप शक्ति से क्या समझते हैं? मामले को निष्क्रिय शक्ति के रूप में व्याख्या करें। 10

घ) द्रव्य की प्रकृति की व्याख्या करें। द्रव्य एवं गुणों (संयोग) के मध्य वास्तविक अंतर क्या है? 10

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर 150 शब्दों में करें।

क) तत्वमीमांसा का व्युत्पत्ति अर्थ क्या है? 5

ख) विश्लेषण को तत्वमीमांसा में प्रयुक्त विधि के रूप में समझाइए। 5

ग) अरस्तु के हाइलेमोर्फिज्म के सिद्धांतों का वर्णन कीजिए। 5

घ) तादात्म्यता और भिन्नता नामक सिद्धांतों का वर्णन कीजिए। 5

ङ) पूर्व-सुकरातीय तत्वमीमांसा के मुख्य मुद्दों पर चर्चा करें। 5

च) तत्वमीमांसा के शुरुआती बिंदु के रूप में प्रश्न को संक्षेप में व्याख्या करें।

5. निम्नलिखित ~~एक~~ में से किन्हीं पाँच पर संक्षिप्त लेख लिखें, लगभग 100 शब्दों में:

क) दुर्घटना 4

ख) प्रपत्र 4

ग) सामर्थ्य (Potency) 4

घ) प्रमाणित सत्य विश्वास 4

च) नैतिक अशुभ 4

छ) संकल्पात्मकता (Privation) 4

ज) [illegible] 4

झ) दाजाईन 4